PAPER - 2, UNIT - 5 (भाग - II)

Sec- B

Geographical account of Bangladesh
बांग्लादेश का भौगोलिक वृतांत

SOIL :- बांग्लादेश के अधिकांश हिस्से का निर्माण नदियों द्वारा लाई गई जलोढ़ मिट्टी के निक्षेपण से हुआ है। कॉप मिट्टी की प्रधानता है, जिसमें चूना की मात्रा 80% से अधिक है। दक्षिण में दलदली मिट्टी, पूर्व एवं दक्षिण-पूर्व में लैटेराइट मिट्टी मिलती है।

AGRICULTURE :- कृषि प्रधान बांग्लादेश की 80% जनता कृषि कार्य में संलग्न है। दिन प्रतिदिन बढ़ रही जनसंख्या के कारण भूमि जोत का आकार छोटा होता जा रहा है। यहाँ के 67% भाग पर खेती की जा सकती है, जिसके 60% भाग पर अभी तक कृषि की जा रही है।

बांग्लादेश की जलवायु उष्ण एवं उपोष्ण फसल के लिए अत्यंत अनुकूल है। यहाँ चावल, गन्ना, चाय एवं मक्का की खेती की जा सकती है। परंतु यहाँ दो फसल का महत्वपूर्ण स्थान है। चावल और जूट। इन दोनों फसलों में हमेशा प्रतिद्वन्दता चलती रहती है। खाद्यान्न के अंतर्गत मक्का सहित

करीब 83% कृषि योग्य भूमि लगी हुई है। ~~~~ अध्ववधान में जूट तथा गन्ना का स्थान महत्वपूर्ण है। चावल के अंतर्गत देश का 4/5 % भाग लगा हुआ है। यहाँ चावल की तीन उपज एक वर्ष में की जाती है। जूट के उत्पादन मे महत्वपूर्ण स्थान रखने के कारण यह विश्व मे अपनी पहचान बनाए हुए है। जूट उत्पादन मे इसका दूसरा स्थान है।

Irrigation :—

औसत वार्षिक वर्षा 150 cm होने से सिंचाई का महत्व बांग्लादेश के लिए अन्य मानसूनी देशों की अपेक्षा कम है। लेकिन कृषि कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिए सिंचाई की व्यवस्था बड़े पैमाने पर की जा रही है। गंगा, कोबाडाक तथा तिस्ता यहाँ की प्रमुख — परियोजना है। गंगा-कोबाडक परियोजना के अंतर्गत हार्डिंग रेल ब्रिज के समीप भेरामोड़ा स्थान से गंगा के पानी को नहर प्रणाली द्वारा दक्षिण में मोरबिंद, डेल्टा को तथा खारे डेल्टा क्षेत्र एवं सुंदरवन क्षेत्र मे स्वच्छ जल की आपूर्ति विभिन्न उपयोग के लिए की जाती है। तिस्ता पर दाली बंधा बॉध से बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई किया जाता है।

यहाँ के लगभग 36% भाग पर नहर, रेहट, तथा तालाब से सिंचाई की जाती है। बॉस बोरिंग का प्रचलन यहाँ काफी है। सिंचाई मुख्य रूप से गन्ना, गेहूं तथा धान की की जाती है।

POPULATION :-

जावा द्वीप के बाद संसार का सबसे घना जनसंख्या बांग्लादेश देश की जनसंख्या 1993 में अनुमानतः 12 करोड़ के नजदीक था। और यह 850 व्यक्ति से भी अधिक प्रति वर्ग किलोमीटर व्यक्ति घनत्व था। जबकि विश्व के कुल क्षेत्रफल का 0.12% भाग ही यह देश है।

वर्तमान में बांग्लादेश की जनसंख्या World Bank 2019 के अनुसार 16.3 करोड़ है।

ढाका, कोमिल्ला क्षेत्र अत्यंत घना है और सबसे कम (325) चटगाँव पहाड़ी क्षेत्र में है। ढाँका को केन्द्र मानकर सभी दिशाओं में बढ़ने पर जनसंख्या का घनत्व घटता जाता है। देश के सुदूर उत्तरी-पूर्व, सुदूर उ०-प०, सुदूर दक्षिण का दलदलीय भाग तथा सुदूर दक्षिण पूर्व का क्षेत्र सबसे कम घनत्व का है। इतनी बड़ी विशाल जनसंख्या के कारण बांग्लादेश में गरीबी, अशिक्षा, निम्न जीवन स्तर, कुपोषण आदि अनेक-अनेक समस्याएँ इसी भीषण जनसंख्या का परिणाम है। उच्च जन्मदर एवं उच्च मृत्यु दर विकास की प्रथम अवस्था का सूचक है। देश की जनसंख्या का 80% भाग मुस्लिम तथा शेष आदिम जनजाति, हिन्दू, इसाई आदि है।

→ 16.3 करोड़ जनसंख्या वाले देश में रेलमार्ग 2910 km, सड़क मार्ग 6825 km तथा जलमार्ग 8090 km है। इससे स्पष्ट है कि

यातायात के साधनों में जलमार्ग का महत्त्व सबसे ज्यादा है। इसका प्रमुख कारण यहाँ की नदियों की संख्या है। फिर मैदानी भाग होने के कारण यहाँ नौका-आसानी से चलाए जा सकते हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र नदी में पालोभार नावें आसानी से चला करते हैं। वायु परिवहन का समुन्नत विकास नहीं है। ढाका तथा चटगाँव अंतरराष्ट्रीय वायुमार्ग केन्द्र हैं।

पशुपालन :- मैदानी भाग चारागाहों एवं कृषि प्रदेशों पर निर्भर यहाँ अनेक पशु मिलते हैं। दूध देने वाले पशुओं में गाय, भैंस, बकरियाँ प्रमुख हैं। वन संपदा पर निर्भर अनेक पशु मिलते हैं। सुंदरवन में शेर, चटगाव तथा सिलहट के पूर्वी जिले में हाथी मिलते हैं। खुलना के निकट बरीसाल में मगरमच्छ तथा पूर्वी चटगाँव में चीते और बड़ी बिल्लियाँ मिलती हैं।

खनिज संसाधन :-

नवीन अवसादीय क्षेत्र होने के कारण बांग्लादेश में खनिज-संसाधनों की कमी है। कुछ घटिया किस्म के कोयला फरीदपुर क्षेत्र में मिलता है। सिलहट टिप्परा, रसीदपुर में प्राकृतिक गैस मिलता है। खनिज तेल सिलहट, चटगाव तथा टिप्परा आदि स्थानों में मिलता है। बांग्लादेश में कुछ मात्रा में लौह-अयस्क तथा चुना पत्थर भी पाया जाता है।

प्राकृतिक वनस्पति :- बांग्लादेश के वनस्पति पर वर्षा का प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित है। चटगांव तथा सिलहट के पहाड़ियों पर सदाबहार वन पाए जाते हैं। जिसमें बांस की प्रधानता है। मैदानी भागों में घास उगते हैं। बांग्लादेश के दक्षिणी डेल्टाई भाग में दलदली वन मिलते हैं। जिनमें सुंदरी वृक्षों की प्रधानता है। बांग्लादेश के उत्तर पश्चिमी भागों में wet tropical, vegetation के प्रजातियाँ मिलती हैं। यहाँ वन भूमि का विस्तार 19 लाख हेक्टेयर भूमि पर है।

व्यापार :- बांग्लादेश जूट, कपड़ा, तथा चाय का निर्यातक देश है। दवा, मशीनरी, रसायनिक पदार्थ का आयातक देश है।